हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय
श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखंड)-246174
(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा-विभाग

बी॰ए॰ हिंदी (NEP)

पंचम/षष्ठ सेमेस्टर (तृतीय वर्ष)

पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यावसायिक पाठयक्रम/क्षेत्र भ्रमण/उद्यमिता कौशल

(Course Title : Vocational Course/Field Visit/Entrepreneurship Skills)

प्रश्नपत्र : साहित्यिक क्षेत्र भ्रमण

क्रेडिट – 04
अधिकतम अंक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30 अंक
फील्ड रिपोर्ट – 50 अंक (बाह्य विशेषज्ञ द्वारा)
मौखिक परीक्षा – 20 अंक (बाह्य विशेषज्ञ द्वारा)

नोट –

1. बाह्य विशेषज्ञ को सक्षम अधिकारी द्वारा नामित किया जाएगा।
2. बाह्य विशेषज्ञ की अनुपलब्धता के मामले में आंतरिक परीक्षक को सक्षम अधिकारी द्वारा नामित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम

निर्देश – छात्र को निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर प्रस्तुति देनी होगी –

1. साहित्यिक पाण्डुलिपि संग्रहण।
2. भाषा–भूगोल (बोली संग्रहण)।
3. कवि, लेखकों, साहित्यकारों से जुड़े स्थानों का भ्रमण तथा उस पर वृत्त तैयार करना (जैसे– फीचर, डॉक्यूमैंट्री तैयार करना आदि)।
4. लोकगीतों का संग्रहण।

साहित्यिक भ्रमण पाठ्यक्रम का उद्देश्य

साहित्यिक भ्रमण पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को हिंदी साहित्य, लोक साहित्य की विविधता, समृद्धि और क्षेत्रीय साहित्यकारों के योगदान से परिचित कराना है। इस पाठयक्रम के तहत निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा किया जाता है–

1. हिंदी साहित्य, लोक साहित्य और साहित्यकारों का परिचय

i. छात्रों को हिंदी एवं लोक साहित्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से जोड़ना।
ii. विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के प्रमुख साहित्यकारों और उनकी रचनाओं का अध्ययन करना।

2. साहित्यिक स्थलों का अध्ययन

i. साहित्यकारों से जुड़े ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन्म–स्थलों का भ्रमण कर उनकी प्रासंगिकता को समझना।
ii. साहित्यिक स्थलों के माध्यम से साहित्य और समाज के आपसी संबंधों को जानना।

3. दस्तावेजीकरण और प्रस्तुति कौशल

i. साहित्यिक स्थलों और साहित्यकारों से संबंधित जानकारी को वीडियो, फोटोग्राफ (2D/3D) और फिल्मों जैसे माध्यमों से दस्तावेजीकरण करना।
ii. छात्रों के रचनात्मक और तकनीकी कौशल का विकास करना।

4. लोक साहित्य की विविधता को समझना

i. क्षेत्रीय और भाषाई लोक साहित्य के विभिन्न रूपों और विषयों का विश्लेषण करना।
ii. समाज, संस्कृति, और परंपराओं को साहित्यिक दृष्टिकोण से समझना।

5. साहित्यिक अभिरुचि और चेतना का विकास

i. छात्रों में साहित्य के प्रति रुचि और संवेदनशीलता विकसित करना।
ii. साहित्यिक स्थलों और साहित्यकारों के योगदान को सराहने के लिए प्रेरित करना।

यह पाठ्यक्रम छात्रों को साहित्य और समाज के गहरे संबंधों को समझने और साहित्य की विविधता का अनुभव करने का एक प्रभावी माध्यम प्रदान करता है।

साहित्यिक भ्रमण पाठयक्रम के परिणाम (Course Outcomes)

पाठयक्रम को पूर्ण करने के बाद, छात्र निम्नलिखित कौशल और ज्ञान अर्जित कर सकेंगे–

1. साहित्यिक और सांस्कृतिक धरोहर की मूल अवधारणा को समझना।
2. साहित्यिक धरोहर का समाज में महत्व समझना।
3. साहित्यिक स्थलों का दस्तावेजीकरण।
4. साहित्यिक धरोहर के संरक्षण और पुनरुद्धार के सिद्धांत और प्रक्रियाओं की समझ विकसित करना।
5. साहित्यिक और सांस्कृतिक धरोहर में बदलाव की प्रक्रिया का अध्ययन करना।
6. साहित्यिक धरोहर संरक्षण में संगठनों और संस्थाओं की भूमिका का ज्ञान अर्जित करना।
7. हिंदी साहित्य और साहित्यकारों की गहन जानकारी प्राप्त करना।

यह पाठ्यक्रम छात्रों को साहित्य एवं सांस्कृतिक धरोहर की व्यापक समझ विकसित करने में सहायक होगा। साथ ही उन्हें साहित्यिक स्थलों और धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

पाठ्यक्रम संरचना : साहित्यिक भ्रमण

कक्षा व्याख्यान (Classroom Lectures)

1. प्रति सप्ताह चार कक्षा व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे।
2. इन व्याख्यानों में छात्रों को हिंदी साहित्य, लोक साहित्य के अंतर्गत संस्कृति और साहित्यिक धरोहर से संबंधित प्रमुख सिद्धांतों और व्यवहारिक पहलुओं को समझाने पर ध्यान दिया जाएगा।
3. साहित्यिक स्थलों, प्रमुख साहित्यकारों और उनके योगदान तथा क्षेत्रीय साहित्यकारों के ग्रामों के संरक्षण व संवर्धन के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

क्षेत्र भ्रमण (Field Visit)

1. कक्षा व्याख्यान समाप्त होने के बाद छात्रों को किसी साहित्यिक स्थल (जैसे, किसी प्रसिद्ध साहित्यकार का निवास, साहित्यिक गतिविधियों से जुड़ा ऐतिहासिक स्थान, या सांस्कृतिक धरोहर स्थल) का भ्रमण कराया जाएगा।
2. स्थल का चयन छात्रों और शिक्षकों द्वारा आपसी विचार–विमर्श से किया जाएगा।
3. क्षेत्र भ्रमण का उद्देश्य साहित्यिक धरोहर का प्रत्यक्ष अवलोकन करना और उसकी प्रासंगिकता को समझना होगा।

प्रस्तुति और रिपोर्ट (Presentation and Report)

1. क्षेत्र भ्रमण के बाद, छात्रों को अपने अनुभव और अवलोकन के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार करनी होगी।
2. रिपोर्ट में साहित्यिक स्थल के महत्व, उसके संरक्षण की स्थिति और वहां से जुड़े साहित्यकारों व साहित्यिक धरोहर का विवरण शामिल होगा।
3. रिपोर्ट को विभाग में जमा करना होगा और छात्रों को अपनी रिपोर्ट पर आधारित एक प्रस्तुति देने का अवसर भी मिलेगा।

व्यावहारिक गतिविधियां (Practical Activities)

1. छात्रों को साहित्यिक स्थलों की फोटोग्राफी (2D/3D), वीडियो निर्माण या अन्य रचनात्मक माध्यमों से दस्तावेजीकरण का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
2. इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को धरोहर संरक्षण और उसके महत्व को समझने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

रिपोर्ट प्रारूप (Report Format)

- Typed and Printed
- Font : Times New Roman / Hindi Krutidev 10
- Font Size : 14 (Title), 12 (Body Text)
- Line Spacing : 1.5
- Page : A4 (One Side)
- Number of Pages : Minimum 20 pages
- Photographs : Minimum 3 to 6 photographs of the field visit.

साहित्यिक क्षेत्र भ्रमण के लिए निर्देश

1. साहित्यिक स्थल पर जाने से पहले विषय-निर्देशक द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।
2. क्षेत्र भ्रमण के दौरान सभी छात्रों को फील्ड नोट्स बनाने के लिए एक डायरी साथ रखनी होगी।